



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 138]

No. 138]

नई दिल्ली, यंगलबार, जुलाई 5, 2011/आषाढ़ 14, 1933

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 5, 2011/ASADHA 14, 1933

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 5 जुलाई, 2011

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (साख निर्धारण एजेंसी) (संशोधन) विनियम, 2011

फा. सं. एस.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एस./2011-12/10/21232.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (साख निर्धारण एजेंसी) विनियम, 1999 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (साख निर्धारण एजेंसी) (संशोधन) विनियम, 2011 कहा जा सकेगा।
2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
3. विनियम 2 में, खण्ड (ङ) में, शब्द "प्रदान किया गया या नवीकृत किया गया रजिस्ट्रीकरण" शब्दों "प्रदान किया गया आरंभिक या स्थायी रजिस्ट्रीकरण" से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।
4. विनियम 3 में,—
 - (i) पार्व टिप्पण में, शब्द "प्रमाणपत्र" के पूर्व शब्द "आरंभिक रजिस्ट्रीकरण" अंतःस्थापित किये जायेंगे;
 - (ii) उप-विनियम (1) में, शब्दों "रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र" के पूर्व शब्द "आरंभिक" अंतःस्थापित किया जायेगा।
5. विनियम 8 निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् :—

“8. आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करना

 - (1) बोर्ड, यह समाधान हो जाने पर कि आवेदक पात्र है, प्रस्तुत ख में आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करेगा और आवेदक को सूचना देंगे।
 - (2) उप-विनियम (1) के अधीन प्रदान किया गया आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र आवेदक को इसके जारी किये जाने की तारीख से पांच वर्षों की कालावधि के लिए विधिमान्य होगा।
 - (3) साख निर्धारण एजेंसी जिसे बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र पाले ही प्रदान किया जा चुका हो, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (साख निर्धारण एजेंसी) (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ से पूर्व, और जिसने तीन वर्षों की कालावधि पूरी न की हो, तो यह समझा जाएगा कि उसे इसके रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की तारीख से पांच वर्षों की कालावधि के लिए आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है, दो वर्षों की शेष कालावधि हेतु फीस के भुगतान के अध्यधीन, जैसा दूसरी अनुसूची के भाग क के अधीन विनिर्दिष्ट है, उसके भाग ख में विहित प्रकार से।

(4) आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया जाना दूसरी अनुसूची के भाग के अधीन यथा विनिर्दिष्ट रजिस्ट्रीकरण फीस के भुगतान के अध्यधीन होगा, उसके भाग खं में विहित प्रकार से ।"

6. विनियम 8 के पश्चात्, निम्नलिखित नया विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"8क. स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करना

(1) साख निर्धारण एजेंसी जिसे विनियम 8 के अधीन आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया हो या जिसके बारे में यह समझा गया हो कि उसे आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है, आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की कालावधि समाप्त होने से तीन मास पूर्व, प्ररूप क में स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के लिए आवेदन कर सकेगी ।

(2) साख निर्धारण एजेंसी जिसे बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र पहले ही प्रदान किया जा चुका हो और जिसने पाँच वर्षों की कालावधि पूरी कर ली हो, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (साख निर्धारण एजेंसियाँ) (संशोधन) विनियम, 2011 के प्रारंभ की तारीख को, तो वह, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की विधिभान्यता समाप्त होने से तीन मास पूर्व या उससे पहले, प्ररूप क में स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के लिए आवेदन कर सकेगी ।

(3) उप-विनियम (1) या उप-विनियम (2) के अधीन आवेदन के साथ दूसरी अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट अप्रतिदेय आवेदन फीस संलग्न होगी ।

(4) स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के आवेदन के साथ उन परिवर्तनों के ब्यौरे संलग्न होंगे जो उस जानकारी में हुए हों जो बोर्ड को, यथास्थिति, आरंभिक रजिस्ट्रीकरण या नवीकरण मांगते समय प्रस्तुत की गयी थी, और यह कथन करते हुए एक घोषणा संलग्न होगी कि ऐसे ब्यौरों में यथा उल्लिखित परिवर्तनों से भिन्न कोई परिवर्तन नहीं हुए हैं ।

(5) उप-विनियम (1) या (2) के अधीन किये गये स्थायी रजिस्ट्रीकरण के आवेदन पर उसी प्रकार कार्यवाही की जाएगी मानो कि यह आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के लिए एक नया आवेदन हो ।

(6) बोर्ड, यह समाधान हो जाने पर कि आवेदक पात्र है, प्ररूप खं में स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करेगा और आवेदक को सूचना भेजेगा ।

(7) स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने पर, साख निर्धारण एजेंसी इन विनियमों की दूसरी अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट फीस अदा करने की दायी होगी ।"

7. विनियम 9 में,—

- पार्श्व टिप्पण में, शब्दों "और विधिभान्यता अवधि" का लोप हो जायेगा;
- उप-विनियमों की संख्याओं का लोप हो जायेगा;
- आरंभिक लाक्य में शब्द तथा अंक "विनियम 8" के पश्चात् शब्द तथा अंक "या 8क" अंतःस्थापित किये जायेंगे;
- खण्ड (ख) के अंत में, पूर्ण-विराम का चिह्न "।" अर्धविराम के चिह्न " ; " से प्रतिस्थापित हो जायेगा;
- विद्यमान उप-विनियम (2) का लोप हो जायेगा ।

8. विनियम 10 का लोप हो जायेगा ।

9. विनियम 11 में,—

- उप-विनियम (1) में, शब्द तथा अंक "विनियम 10" शब्द तथा अंक "विनियम 8क" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे और शब्द "प्रमाणपत्र यथास्थिति प्रदान या नवीकृत नहीं किया जाना चाहिए" शब्दों "आरंभिक या स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान नहीं किया जाना चाहिए" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे;
- उप-विनियम (2) में, शब्द "प्रमाणपत्र प्रदान न करने या नवीकृत न करने" शब्दों तथा चिह्न " , यथास्थिति, आरंभिक या स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान न करने" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ।

10. विनियम 12 में,—

- उप-विनियम (1) निम्नलिखित उप-विनियम से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् :—
"(1) साख निर्धारण एजेंसी जिसका स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने का आवेदन बोर्ड द्वारा नामंजूर कर दिया गया हो, वह सूचना की प्राप्ति की तारीख से ही, साख निर्धारण का कोई क्रियाकलाप करना छोड़ देगी।"
- उप-विनियम (4) में, शब्द "जिसका प्रमाणपत्र प्रदान करने या के नवीकरण" शब्दों "जिसका स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ।

11. प्रथम अनुसूची में,—

i. प्रकृति का में,—

क. शब्द, अंक तथा चिह्न "विनियम 3(3)" शब्दों, अंकों तथा चिह्न "विनियम 3(3)/विनियम 8क(3)" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ;

ख. शब्द तथा चिह्न "प्रमाणपत्र/प्रमाणपत्र का नवीकरण प्रदान करने के लिए आवेदन" शब्दों तथा चिह्न "आरंभिक/स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ;

ii. प्रकृति खा में,—

क. शब्द, अंक तथा चिह्न "विनियम 8(1)" शब्दों, अंकों तथा चिह्न "विनियम 8(1)/विनियम 8क(6)" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ।

ख. शब्द "रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र" शब्दों तथा चिह्न "आरंभिक/स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ।

ग. पैरा III निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् :—

"III. यह रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र से तक/स्थायी रूप से विधिमान्य होगा, जब तक कि बोर्ड द्वारा निलंबित या रद्द न कर दिया जाये ।"

12. दूसरी अनुसूची में,—

i. विनियमों का संदर्भ निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा :—

"[विनियम 3(3), 8(3), 8(4), 8क (3), 8क (7) दखें]"

ii. भाग का निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् :—

भाग का

फीस के रूप में अदा की जाने वाली रकम

1. आरंभिक या स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रदान किये जाने के लिए आवेदन फीस	रु. 50,000
2. आरंभिक रजिस्ट्रीकरण फीस	रु. 26,66,700
3. विनियम 8 के उप-विनियम (3) के अधीन निर्दिष्ट साख निर्धारण एजेंसियों के लिए शेष फीस	रु. 6,66,700
4. स्थायी रजिस्ट्रीकरण फीस (प्रत्येक तीन वर्षों के लिए)	रु. 10,00,000

iii. भाग खा निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् :—

1. साख निर्धारण एजेंसी जिसे विनियम 8(1) के अधीन आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान कर दिया गया हो, वह, भाग का की मद 2 के अधीन यथा विनिर्दिष्ट फीस, बोर्ड से सूचना की प्राप्ति की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर अदा करेगी।

2. विनियम 8 के उप-विनियम (3) के अधीन निर्दिष्ट साख निर्धारण एजेंसी, भाग का की मद 3 के अधीन यथा विनिर्दिष्ट फीस, यथास्थिति, आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने की तारीख से तीन वर्षों की कालावधि के पूरा होने से पूर्व तीन मास की कालावधि के भीतर, या इन विनियमों की अधिसूचना की तारीख से तीन मास की कालावधि के भीतर अदा करेगी ।

3. साख निर्धारण एजेंसी जिसे स्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया हो, अपना रजिस्ट्रीकरण प्रवृत्त रखने के लिए, भाग का की मद 4 के अधीन यथा विनिर्दिष्ट फीस, यथास्थिति, आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने की तारीख से छठे वर्ष से, या नवीकृत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की कालावधि के पूरा होने से प्रत्येक तीन वर्षों के लिए अदा करेगी ।

4. ऊपर विनिर्दिष्ट फीस "भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड" के यक्ष में एक बैंक ड्राफ्ट, जो मुम्बई में देय हो, के रूप में अदा की जायेगी ।

यू. के. सिन्हा, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/69-जेड बी/11/असा.]

पाद टिप्पण :

- भूल विनियम, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (साख निर्धारण एजेंसियाँ) विनियम, 1999 भारत के राजपत्र में प्रकाशित तारीख 7 जुलाई, 1999 की सं. का.आ. 547(अ) के अधीन जारी हुए थे ।
- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (साख निर्धारण एजेंसियाँ) विनियम, 1999 तत्पश्चात् :
 - 28 मार्च, 2000 को सं. का.आ. 278(अ) द्वारा राजपत्र में प्रकाशित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकारण को अपील) (संशोधन) विनियम, 2000 द्वारा
 - 29 मई, 2001 को, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्तीयों द्वारा विनिधान सलाह) (संशोधन) विनियम, 2001, सं. का.आ. 476(अ), द्वारा
 - 27 सितम्बर, 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002, सं. का.आ. 1045(अ), द्वारा
 - 19 फरवरी, 2003 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (साख निर्धारण एजेंसियाँ) (संशोधन) विनियम, 2003, सं. का.आ. 203(अ), द्वारा
 - 1 अक्टूबर, 2003 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (साख निर्धारण एजेंसियाँ) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2003, सं. का.आ. 1160(अ), द्वारा
 - 10 मार्च, 2004 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004, सं. का.आ. 398(अ), द्वारा
 - 7 सितम्बर, 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (साख निर्धारण एजेंसियाँ) (संशोधन) विनियम, 2006, सं. का.आ. 1454(अ), द्वारा
 - 26 मई, 2008 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008, सं. एलएडी/एनआरओ/जीएन/2008/11/126538, द्वारा
 - 19 मार्च, 2010 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (साख निर्धारण एजेंसियाँ) (संशोधन) विनियम, 2010, अधिसूचना सं. एलएडी/एनआरओ/जीएन/2009-10/30/199044, द्वारा
 - 13 अप्रैल, 2011 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [कुछ मध्यवर्तीयों (इंटरमीडियरीज) के रजिस्ट्रीकरण की शर्तों में परिवर्तन] (संशोधन) विनियम, 2011, अधिसूचना सं. एलएडी/एनआरओ/जीएन/2011-12/03/12650, द्वारा

संशोधित हुए थे ।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 5th July, 2011

Securities and Exchange Board of India (Credit Rating Agencies) (Amendment) Regulations, 2011

F.No. LAD-NRO/GN/2011-12/10/21232.—In exercise of the powers conferred by Section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following Regulations to amend the Securities and Exchange Board of India (Credit Rating Agencies) Regulations, 1999, namely :—

- These Regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Credit Rating Agencies) (Amendment) Regulations, 2011.
- They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- In regulation 2, in clause (e), the words “registration granted or renewed” shall be substituted with the words “initial or permanent registration granted”.
- In regulation 3,—
 - in the marginal note, after the word “certificate” the words “of initial registration” shall be inserted;
 - in sub-regulation (1), after the word “certificate of” the word “initial” shall be inserted.
- Regulation 8 shall be substituted with the following, namely :—

“8. Grant of certificate of initial registration.

 - The Board, on being satisfied that the applicant is eligible, shall grant a certificate of initial registration in Form B and shall send an intimation to the applicant.

- (2) The certificate of initial registration granted under sub-regulation (1) shall be valid for a period of five years from the date of its issue to the applicant.
- (3) The credit rating agency who has already been granted a certificate of registration by the Board, prior to the commencement of the Securities and Exchange Board of India (Credit Rating Agencies) (Amendment) Regulations, 2011, and has not completed a period of three years, shall be deemed to have been granted a certificate of initial registration for a period of five years from the date of its certificate of registration, subject to payment of fee for the remaining period of two years, as specified under Part A of Second Schedule, in the manner prescribed in Part B thereof.
- (4) The grant of a certificate of initial registration shall be subject to payment of the registration fees as specified under Part A of Second Schedule, in the manner prescribed in Part B thereof. ”

6. After regulation 8, the following new regulation shall be inserted, namely :—

“8A. Grant of certificate of permanent registration.

- (1) The credit rating agency who has been granted or deemed to have been granted a certificate of initial registration under regulation 8, may, three months before the expiry of the period of certificate of initial registration, make an application for grant of a certificate of permanent registration in Form A.
- (2) The credit rating agency who has already been granted certificate of registration by the Board and has completed a period of five years, on the date of commencement of the Securities and Exchange Board of India (Credit Rating Agencies) (Amendment) Regulations, 2011, may, three months before the expiry of validity of certificate of registration or before, make an application for grant of a certificate of permanent registration in Form A.
- (3) An application under sub-regulation (1) or sub-regulation (2) shall be accompanied by non-refundable application fee as specified in the Second Schedule.
- (4) The application for grant of a certificate of permanent registration shall be accompanied by details of the changes that have taken place in the information that was submitted to the Board while seeking initial registration or renewal, as the case may be, and a declaration stating that no changes other than those as mentioned in such details have taken place.
- (5) The application for permanent registration made under sub-regulation (1) or (2) shall be dealt with in the same manner as if it were a fresh application for grant of a certificate of initial registration.
- (6) The Board, on being satisfied that the applicant is eligible, shall grant a certificate of permanent registration in Form B and shall send an intimation to the applicant.
- (7) On the grant of a certificate of permanent registration the credit rating agency shall be liable to pay the fee as specified in the Second Schedule of these regulations.”

7. In regulation 9,—

- i. in the marginal note, the words ‘and validity period’ shall be omitted;
- ii. numbering of sub-regulations shall be omitted;
- iii. in the opening sentence, after the word and figure “regulation 8” the word and figure “or 8A” shall be inserted;
- iv. at the end of clause (b), the sign of full stop “.” shall be substituted with the sign of semicolon “;”;
- v. the existing sub-regulation (2) shall be omitted.

8. Regulation 10 shall be omitted.

9. In regulation 11,—

- i. in sub-regulation (1), the word and figure “regulation 10” shall be substituted with the word and figure “regulation 8A” and the words “should not be granted or renewed” shall be substituted with the words “of initial or permanent registration should not be granted”;
- ii. in sub-regulation (2), the words “or not to renew the certificate” shall be substituted with the words and sign “certificate of initial or permanent registration, as the case may be,”;

10. In Regulation 12,—

- i. sub-regulation (1) shall be substituted with the following sub-regulation, namely :—
“(1) A credit rating agency whose application for grant of a certificate of permanent registration has been refused by the Board, on and from the date of the receipt of the communication, shall cease to undertake any credit rating activity.”
- ii. in sub-regulation (4), the words, “or renewal of a certificate” shall be substituted with the words “of a certificate of permanent registration”.

11. In First Schedule,—

- i. in Form A,—
 - a. the word, figure and sign “Regulation 3(3)” shall be substituted with the words, figures and sign “Regulation 3(3)/ Regulation 8A(3)”.
 - b. the words and sign “Application for grant of Certificate/Renewal of Certificate” shall be substituted with the words and sign “Application for Grant of Certificate of Initial/Permanent Registration”.
- ii. in Form B,—
 - a. the word, figure and sign “Regulation 8(1)” shall be substituted with the words, figures and sign “Regulation 8(1)/Regulation 8A(6)”.
 - b. the words “Certificate of registration” shall be substituted with the words and sign “Certificate of Initial/Permanent Registration”.
 - c. paragraph III shall be substituted with the following, namely:—
“III. This certificate of registration shall be valid from to / for permanent, unless suspended or cancelled by the Board.”

12. In Second Schedule,—

- i. Reference to regulations shall be substituted with the following :
“[See Regulations 3(3), 8(3), 8(4), 8A(3), 8A(7)]”
- ii. Part A shall be substituted with the following, namely :—

PART A

Amount to be paid as fees

1. Application fee for grant of initial or permanent registration	Rs. 50,000
2. Initial Registration fee	Rs. 26,66,700
3. Balance fee for credit rating agencies referred under sub-regulation (3) of regulation 8	Rs. 6,66,700
4. Permanent registration fee (for every three years)	Rs. 10,00,000

- iii. Part B shall be substituted with the following, namely :—

- “1. A credit rating agency who has been granted certificate of initial registration under regulation 8(1), shall pay fees, as specified under item 2 of Part A, within fifteen days from the date of receipt of intimation from the Board.
- 2. A credit rating agency referred to under sub-regulation (3) of regulation 8, shall pay fee, as specified under item 3 of Part A, within a period of three months before completion of the period of three years from the date of grant of certificate of initial registration, or within a period of three months from the date of notification of these regulations, as the case may be.
- 3. A credit rating agency who has been granted certificate of permanent registration, to keep its registration in force, shall pay fee as specified under item 4 of Part A, for every three years from the sixth year from the date of grant of certificate of initial registration, or from completion of the period of renewed certificate of registration, as the case may be.
- 4. The fee specified above shall be paid by way of a bank draft in favour of “Securities and Exchange Board of India” payable at Mumbai.

U.K. SINHA, Chairman

[ADVT III/4/69-ZB/11/Exty.]

Footnotes:

1. The principal regulations, SEBI (Credit Rating Agencies) Regulations, 1999 were issued under No. S.O.547 (E), dated July 7, 1999 published in the Gazette of India.
2. SEBI (Credit Rating Agencies) Regulations, 1999 were subsequently amended on—
 - (a) March 28, 2000 by the SEBI (Appeal to Securities Appellate Tribunal) (Amendment) Regulations, 2000 published in Official Gazette *vide* No. S.O. 278 (E).
 - (b) May 29, 2001, by the SEBI (Investment Advice by Intermediaries) (Amendment) (Regulations), 2001 *vide* No. S.O. 476 (E).
 - (c) September 27, 2002 by the SEBI (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002 *vide* No. S.O. 1045 (E).
 - (d) February 19, 2003 by SEBI (Credit Rating Agencies) (Amendment) Regulations, 2003 *vide* No. S.O. 203(E).
 - (e) October 1, 2003 by the SEBI (Credit Rating Agencies) (Second Amendment) Regulations, 2003 *vide* No. S.O. 1160 (E).
 - (f) March 10, 2004 by the SEBI (Criteria for Fit and Proper Person) Regulations, 2004 *vide* No. S.O. 398 (E).
 - (g) September 7, 2006 by the SEBI (Credit Rating Agencies) (Amendment) Regulations, 2006 *vide* No. S.O. 1454(E).
 - (h) May 26, 2008 by SEBI (Intermediaries) Regulations, 2008 *vide* No. LAD/NRO/GN/2008/11/126538.
 - (i) March 19, 2010 by the SEBI (Credit Rating Agencies) (Amendment) Regulations, 2010 *vide* Notification No. LAD-NRO/GN/2009-2010/30/199044.
 - (j) April 13, 2011 by the Securities and Exchange Board of India (Change in Conditions of Registration of Certain Intermediaries) (Amendment) Regulations, 2011 *vide* Notification No. LAD/NRO/GN/2011-12/03/12650.